



RANCHI | WEDNESDAY | AUGUST 5, 2020

ICFAI SIGNS MOU WITH NICR

Today, ICFAI University, Jharkhand signed an MOU of collaboration with NCDEX Institute of Commodities Markets and Research (NICR) to build deep knowledge and hands-on skills in the students of the University on Commodities Derivative Trading, a fast growing market in India.



After signing the MOU, ICFAI University, Jharkhand and NICR, jointly conducted a Virtual Panel Discussion on “Commodity Markets in India – Trends and Career Opportunities”, which was attended by students, faculty members and industry professional from all over India. Industry experts for the panel discussion were Aleen Mukherjee, Chief Operating Officer, Neeraj Shukla AVP and Senior Economist - Market Intelligence and Ram Gopal Yadav, Dy Manager, Knowledge Management, all from NICR.

ICFAI University, Jharkhand signs MOU with the Research Arm of NCDEX

Scope covers Training, Virtual Internships and Campus Placements in Commodity Derivatives Trading

Today, ICFAI University, Jharkhand signed an MOU of collaboration with NCDEX Institute of Commodities Markets and Research (NICR) to build deep knowledge and hands-on skills in the students of the University on Commodity Derivative Trading, a fast growing market in India.

After signing the MOU, ICFAI University, Jharkhand and NICR, jointly conducted a Virtual Panel Discussion on "Commodity Markets in India - Trends and Career Opportunities", which was attended by students, faculty members and industry professional from all over India. Industry experts for the panel discussion were Mr Aleen Mukherjee, Chief Operating Officer, Mr. Neeraj Shukla AVP and Senior Economist - Market Intelligence and Mr Ram Gopal Yadav, Dy Manager, Knowledge Management, all from NICR.

Welcoming the participants to the webinar, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University said, "Though commodity derivatives find mention in Koutilya's Arth Shastra (320BC), Commodity Trading Exchanges started in India only in 21st century.



Due to the wide ranging reforms that are on the anvil from Govt of India, Agricultural Commodities Trading is set to take off in big way, thereby creating good career opportunities for all graduates, particularly BCom (Banking), BBA and MBA. That is why our University selected this topic for today's webinar, which is the 7th edition of Charcha Manch Initiative of the University."

Speaking on the theme, Mr Aleen Mukherjee said, "NCDEX is primarily focused on Agri Commodities as India

is one of the largest producers of agricultural commodities in the world. It was promoted by ICICI Bank, NSE and NABARD. Commodity Derivatives market offers an excellent career opportunity for all the graduating students, irrespective of the discipline. However, students should have a good understanding of commodity derivatives and risk management. Mr. Neeraj Shukla explained the concepts of commodity Derivatives and how they are different from Equity Markets. Mr Ram Gopal Yadav elucidated the details

of career opportunities in diverse areas like agri trading, warehousing, agri-processing, consulting, banks and commodity exchanges. He also explained on how online courses from NICR will help in building the requisite skills in the students.

Participating in the discussion, Prof Kaushal Kumar Sinha, former CGM, NABARD explained how the recent initiatives of Govt of India in promoting 10,000 FPOs will help in strengthening the agri commodities supply chain and help the farmers to increase price realizations.

इकफाई विवि व एनसीडीइएक्स में एमओयू



रांची. इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड ने भारत में तेजी से बढ़ते बाजार, कमोडिटीज डेरिवेटिव ट्रेडिंग पर विश्वविद्यालय के छात्रों

में ज्ञान और कौशल का निर्माण करने के लिए एनसीडीइएक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कमोडिटीज मार्केट्स एंड रिसर्च (एनआइसीआर) के साथ एमओयू साइन किया है. एमओयू के बाद संयुक्त रूप से 'कमोडिटी मार्केट्स इन इंडिया- ट्रेड्स एंड कैरियर' पर एक वर्चुअल पैनल डिस्कशन आयोजित किया गया. पैनल चर्चा के लिए उद्योग के विशेषज्ञ एनआइसीआर से एलेन मुखर्जी, मुख्य परिचालन अधिकारी नीरज शुक्ला एवीपी और वरिष्ठ अर्थशास्त्री- मार्केट इंटेलिजेंस और राम गोपाल यादव, डीआइ मैनेजर थे. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने वेबिनार में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत सरकार के व्यापक सुधारों के कारण कृषि उत्पाद ट्रेडिंग बड़े पैमाने पर होने के लिए तैयार है. इससे सभी स्नातकों, विशेषकर बीकॉम (बैंकिंग), बीबीए और एमबीए के लिए अच्छे करियर के अवसर पैदा हो रहे हैं.

रांची एक्सप्रेस

रांची, बुधवार, 05 अगस्त, 2020

सिटी

इकफाई विश्वविद्यालय झारखंड का एनसीडीइएक्स के अनुसंधान शाखा के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर

संवाददाता

रांची : मंगलवार को इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड ने भारत में तेजी से बढ़ते बाजार, कमोडिटीज डेरिवेटिव ट्रेडिंग पर विश्वविद्यालय के छात्रों में ज्ञान और कौशल का निर्माण करने के लिए एनसीडीइएक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कमोडिटीज मार्केट्स एंड रिसर्च (एनआइसीआर) के साथ समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किए। एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद, इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड और एनआइसीआर, संयुक्त रूप से इकफाई मार्केट्स इन इंडिया - ट्रेड्स एंड कैरियर अवसर पर एक वर्चुअल पैनल डिस्कशन आयोजित किया गया, जिसमें पूरे भारत के छात्रों, संकाय सदस्यों और उद्योग पेशेवर ने भाग लिया। पैनल चर्चा के लिए उद्योग के विशेषज्ञ एनआइसीआर से श्री एलेन मुखर्जी, मुख्य परिचालन अधिकारी, नीरज

**एमओयू में स्कोप
कमोडिटी
डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग
में प्रशिक्षण,
वर्चुअल इंटर्नशिप
और कैम्पस
प्लेसमेंट**

शुक्ला एवीपी और वरिष्ठ अर्थशास्त्री-मार्केट इंटेलिजेंस और राम गोपाल यादव, डीआइ मैनेजर थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ आर एस राव ने वेबिनार में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा, 'हालांकि, कमोडिटी डेरिवेटिव का उल्लेख कोटिंग के अर्थ शास्त्र (320बीसी) में मिलता है, कमोडिटी ट्रेडिंग एक्सचेंज भारत में 21 वीं सदी में शुरू हुआ। भारत सरकार को और



से व्यापक सुधारों के कारण, कृषि उत्पाद ट्रेडिंग बड़े पैमाने पर होने के लिए तैयार है, जिससे सभी स्नातकों, विशेषकर बीकॉम (बैंकिंग), बीबीए और एमबीए के अवसर पैदा हो रहे हैं। यही कारण है कि हमारे विश्वविद्यालय ने आज के वेबिनार के लिए इस विषय का चयन किया, जो विश्वविद्यालय के चर्चा मंच पहल का 7 वां संस्करण है। इस विषय पर चर्चा करते हुए, श्री

जोषिम प्रबंधन को अच्छी समझ होनी चाहिए। श्री नीरज शुक्ला ने कमोडिटी डेरिवेटिव्स को अवधारणाओं को समझाना की वे इकफाई मार्केट्स से कैसे अलग हैं।

राम गोपाल यादव ने कृषि क्षेत्र, वेयरहाउसिंग, कृषि-प्रसंस्करण, परामर्श, बैंकों और कमोडिटी एक्सचेंज जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर के अवसरों के विवरण को स्पष्ट किया। उन्होंने यह भी बताया कि एनआइसीआर के ऑनलाइन पाठ्यक्रम छात्रों में अपेक्षित कौशल बनाने में कैसे मदद करेंगे।

चर्चा में भाग लेते हुए, नवाब के पूर्व सीनियर कौशल कुमारा सिन्हा ने बताया कि 10,000 एफबीओ को बढ़ावा देने में भारत सरकार की इच्छाता पहल कृषि वर्चुअल को अपूर्ण बुखला को मजबूत करने में मदद करेगी और किसानों को मूल्य प्राप्ति बढ़ाने में मदद करेगी।